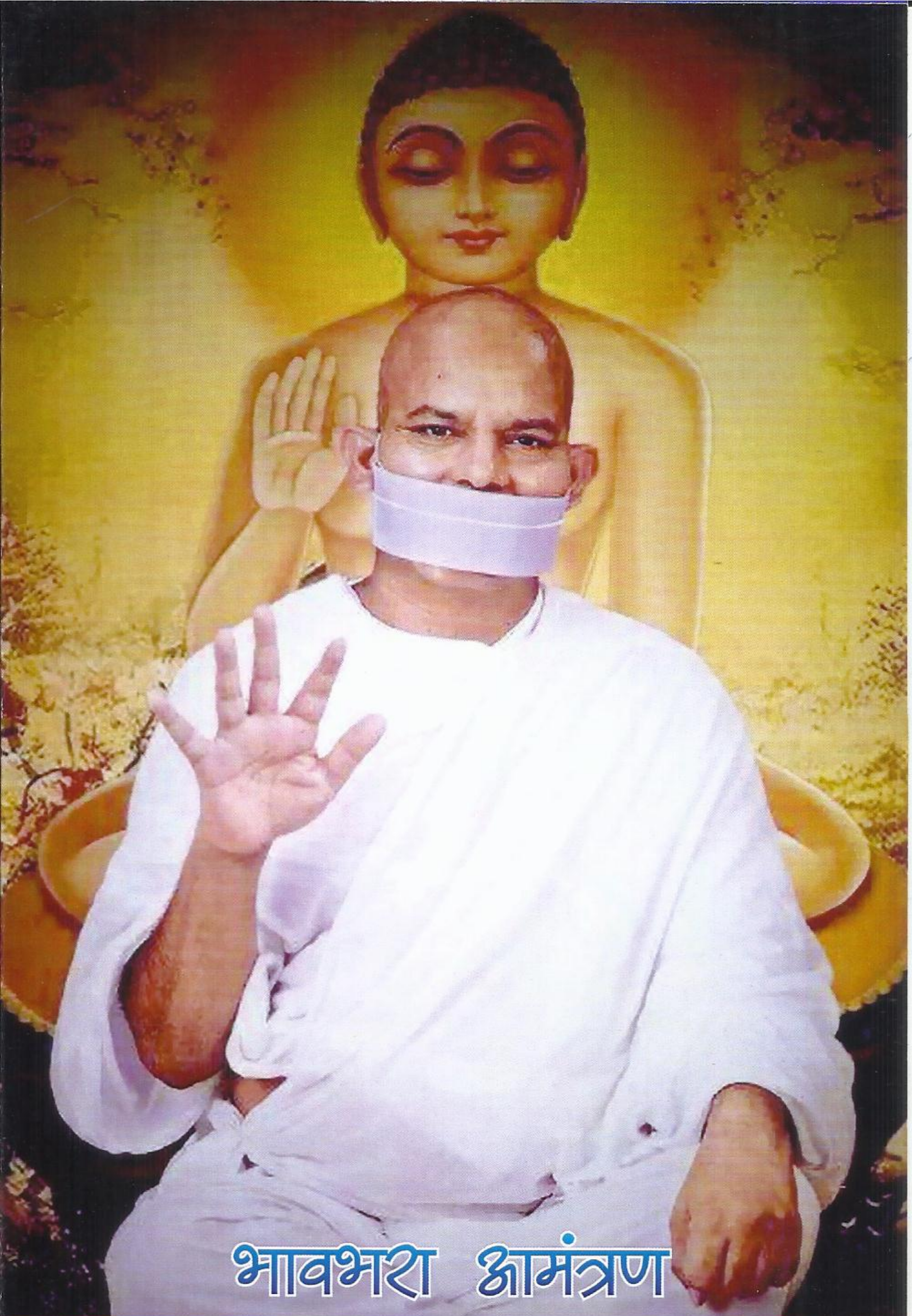

भावभरा आमंत्रण

तेरापंथ युवक परिषद् जोधपुर व सरदारपुरा

अर्हम्

स्वर्णिम इतिहास

तेरापंथ नामकरण की पावन पवित्र वसुन्धरा सूर्यनगरी (जोधपुर) की गोद से अनेक नव रत्नों नें जन्म लिया है। उन रत्नों में कई रत्न विशेष प्रतिभा से परिमंडित हुए है। जिनका नाम आज इतिहास के पृष्ठों पर स्वर्णाक्षरों से लिखा गया है। उन्होंनें अपनी बहुमूल्य सेवाएं धर्मसंघ को दी है और तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्यो के हृदय में विश्वास स्थापित किया है। हम सभी युवक हमारें पुरखों की स्मृति करते है और उनसे प्रार्थना करते है कि हमें ऐसा आर्शीवाद प्रदान करे कि हम भी आप सभी की तरह धर्मसंघ की सेवा करते रहें।

नीव के पत्थर : स्व. श्री बादरमलसा भण्डारी, किशनमलसा भण्डारी, जबरमलसा भण्डारी, सम्पतमलसा भण्डारी, सिद्धराजसा भण्डारी, केवलराजसा सिंघवी, पोकरचंद सा तातेड़, शंकरलाल सा मेहता।

समर्पित युवा शक्ति का संगठन, युवा प्रतिभाओं का मूल्यांकन, जीवन विकास के आयामों का प्रशिक्षण, चिन्तन, निर्णय, क्रियान्विति युवक परिषद का मुख्य उद्देश्य रहा है। ते.यु.प. जोधपुर का जन्म अपने सक्रिय सदस्यों के साथ परम श्रद्धेय गुरूदेव आचार्य श्री तुलसी के शुभ आर्शीवाद से एवं मुनि श्री मधुकरजी की प्रेरणा से हुआ। अ.भा.ते.यु.प. अध्यक्ष श्री धर्मचन्दसा चौपड़ा, कन्हैयालाल सा छाजेड़, विजयसिंहसा कोठारी का इस संस्था के गठन में विशेष योगदान रहा। लगभग 10 वर्षो तक परिषद् ने राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किये।

परिषद् इस पवित्र अवसर पर अपने सभी पूर्ववती पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करती हैं जिनकी मेहनत एवं सक्रियता से परिषद् यह स्वर्ण जंयती समारोह मना रही है।

हमें गौरव हे कि हमारे यहा से धर्म संघ में तीन साध्वी वृन्द **स्व. साध्वी श्री चान्द कंवर जी, साध्वी श्री अकल कंवर जी व वर्तमान में साध्वी रक्षित यशा जी व एक समणी हंसप्रज्ञा** जी है।

हमारें यहा से चार युवक रत्न व एक युवा गौरव अलंकरण से अलंकृत है। प्रथम युवक रत्न **स्व. रणजीतमल सा भण्डारी वर्तमान में श्री गणपतसिंह सा भण्डारी, श्री सोहनराज सा तातेड़, श्री दलपतसा लोढ़ा व युवा गौरव श्री मर्यादा जी कोठारी** इसी स्थली से है।

जैन विश्व भारती स्थित मान्य विश्व विद्यालय के संस्थापक **कुलपति डॉ. श्री महावीर राज सा गेलड़ा** भी इसी धरा से है व वर्तमान में तेरापंथ प्रवक्ता के रूप में अपनी सेवाऐं दे रहे हैं।